हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 11 सितंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

वोल्टेज न मिलने से घरों के नहीं चल रहे उपकरण, लोग परेशान

बम्हनीबंजर। दो दिनों से वार्ड क्रमांक 9 चौरसिया मोहल्ला में वोल्टेज की समस्या बनी हुई है नगर में वोल्टेज नहीं आने से आधे से ज्यादा कस्बा बिजली समस्या से जूझ रहा है। दिन में कई बार बिजली गुल हो रही है तो वहीं घंटों वोल्टेज की समस्या भी आ रही है। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वोल्टेज ना मिलने से घरों के उपकरण नहीं चल रहे हैं वह घरों की पानी मोटर मशीन पंखा खराब हो रहे हैं जिसके कारण लोगों का नुकसान हो रहा है लेकिन विद्युत विभाग द्वारा इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है इसके बावजूद भी कर्मचारियों के द्वारा लोगों की समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है।

लेखापाल कार्यालय नैनपुर विकासखंड शिक्षा अधिकारी निलंबित

मण्डला। विकासखंड शिक्षा अधिकारी नैनपुर एवं संभागीय संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा जबलपुर संभाग के जाँच प्रतिवेदन एवं पुलिस थाना नैनपुर में दर्ज एफआईआर के आधार पर लेखापाल श्री सुरेश कुमार तिवारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी नैनपुर को पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही/उदासीनता बरतने तथा षड़यंत्रपूर्वक शासकीय राशि का गबन करके शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने के कारण निलंबित किया गया है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी नैनपुर में लेखापाल श्री सुरेश तिवारी एवं पुत्री, पत्नि तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी नैनपुर श्री छोटेलाल पटैल के द्वारा सांठगांठ करके शासकीय राशि 33 लाख 61 हजार 456 रूपए का गबन किया गया है। जिसकी एफआईआर विकासखंड शिक्षा अधिकारी नैनपुर श्री सुभाषचन्द्र चतुर्वेदी द्वारा पुलिस थाना नैनपुर में दर्ज कराई गई है।

ईव्हीएम व्हीव्हीपीएटी वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण आज

मण्डला। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि रानी फूलकुंवर शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के पीछे स्थित ईव्हीएम व्हीव्हीपीएटी वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण 11 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे किया जायेगा। उन्होंने राजनैतिक दलों से निर्धारित समय पर ईव्हीएम वेयरहाउस में स्वतः उपस्थित रहने अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि को भेजने की अपील की है।

छात्रा शिल्पा मरावी की पेटी में मिला खून के दाग युक्त कपड़ा

मौत के कारणों की हो जांच

*** 15 अगस्त को घटित एकलव्य आदर्श बालक छात्रावास सिंगपुर की घटना।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

बीते माह 15 अगस्त को निवास विकासखंड के सिंगपुर एकलव्य आदर्श छात्रावास में अध्ययनरत 10वीं की छात्रा शिल्पा मरावी 15 वर्ष का स्वास्थ्य खराब होने पश्चात हुई मौत पर छात्रावास प्रबंधन की घोर लापरवाही का एक और सच आया सामने।

8 सितंबर 2025 को मृतक छात्रा शिल्पा की माँ अपनी एक लड़की के साथ उक्त स्कूल गई, और शिल्पा के दैनिक उपयोग के सामान की पेटी घर लाकर जब खोला गया तो अंदर रखे वस्त्रों में लगे खून के धब्बे देखकर परिजनों के होश उड़ गये, पेटी में छात्रा की स्कूल ड्रेस के अलावा एक कपड़ेनुमा कैरी बैग जिसमें दोनों ओर खून के दाग लगे हैं वहीं इसके अंदर रखी चुनरी में भी एक दो जगह हल्के खून के निशान मिले हैं।

असमय मौत के मुँह में समाई शिल्पा की मौत से आहत माता पिता ने इस बात की जानकारी पत्रकार उदय सिंह चौधरी को बताई जिन्होंने पीड़ति माता पिता का सहयोग करते हुये उक्त कपड़ों को 09 सितंबर की शाम निवास थाना अधिकारी को सौप दिया है, अब जाँच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि आखिर मृतक छात्रा के कपड़ों में लगा खून कैसे और कब लगा और मौत कैसे हुई यह संदेह बना रहेगा, वहीँ अगर जाँच अधिकारी दल मृत छात्रा के दैनिक उपयोग की चीजों को तत्काल अपने कब्जे में ले लेता तो समय पर घटना की असलियत सामने आ जाती।

उक्त संबंध में परिजनों द्वारा की गई शिल्पा की सहपाठी छात्राओं से बातचीत पर यह जानकारी मिली है कि 15 अगस्त के दिन शिल्पा के बताये अनुसार सुबह के समय शिल्पा की नाक से अचानक खून निकलने लगा, और फिर इसके बाद से वह बेहोशी की हालत में पहुँचने लगी थी।

लेकिन 15 अगस्त की तैयारियों में लगा पूरा स्टाफ़ इस घटना से अनभिज्ञ रहा, रूटीन स्वास्थ्य चेकअप नहीं होता था न ही युवा होती छात्र बच्चियों की शारीरिक स्वच्छता संबंध पर खान पान पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया।

ज्ञात हो कि उक्त छात्रा की मौत और अनेकों छात्राओं के बीमार होने की घटना घटित होने पर शासन/प्रशासन द्वारा दोनों अधीक्षकों को निलंबित और एक आउट शोर्स महिला स्वास्थ्य कर्मचारी की सेवा समाप्त की कार्रवाई की जा चुकी है।

वहीं उक्त गंभीर घटना होने पर प्राचार्य मोनिका रोहिल्ला के पति सतीश रोहिल्ला अपनी पत्नी की ओर से छात्रों के पालकों व प्रशासन के जिम्मेदार जाँच अधिकारियों के समक्ष न सिर्फ बयानी सफाई देता रहा, बल्कि प्राचार्य मोनिका की पदस्थापना समय से ही छात्रावास प्रबंधन व अध्ययनरत छात्रों के हित के लिये मिली शासकीय राशि का बंदरबांट करते हुये अनाप शनाप खरीदी भी किये जाने की पुष्ट जानकारी मिल रही है, जो शासन प्रशासन के लिये गंभीर जाँच का विषय है बावजूद इस व्यक्ति पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं कि गई है, वहीं घटना के दिन उक्त व्यक्ति अपने विरुद्ध माहौल बिगड़ते देख मौजूद प्रशासन के सामने से अपनी कार से फुर्र हो गया।

उक्त विषय को समझने निवास थाना इंचार्ज वर्षा पटेल को फोन किया गया लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

प्रशासनिक डील और लचर व्यवस्था ने छीनी आदिवासी बेटी की सांसें

नाचती-गाती छात्रा आखिर कैसें चल बसी

एन.सी.सी. जबलपुर समूह कमांडर का ब्रेन चाइल्ड एकेडमी में आगमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ब्रेन चाइल्ड एकेडमी मंडला में ब्रिगेडियर रितेश बहल, ग्रुप कमांडर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, जबलपुर, कर्नल विक्रांत त्यागी, सीओ, 1 एमपी आर्टी रजि. एनसीसी, जबलपुर एवं अन्य अधिकारी के आगमन पर एक भव्य समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स और एकेडमी के छात्रों ने देशभक्ति प्रदर्शन और डायनामिक एनसीसी डिस्प्ले के साथ उनका स्वागत किया। समारोह की शुरुआत मुख्य द्वार पर एनसीसी अधिकारियों द्वारा स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई। इसके बाद कैडेट्स और छात्रों ने देशभक्ति प्रदर्शन प्रस्तुत किए, जिनमें सातवीं कक्षा के छात्रों द्वारा देशभक्ति मेशअप, आठवीं कक्षा के छात्रों द्वारा मिल्खा सिंह की कहानी और 9वीं कक्षा के छात्रों द्वारा कारगिल सैनिकों की कहानी शामिल थी।

एनसीसी कैडेट्स ने साइबर सुरक्षा पर नुक्कड़ नाटक और शारीरिक प्रशिक्षण ड्रिल जैसे विभिन्न प्रदर्शन प्रस्तुत किए। अन्य संस्थानों के कैडेट्स ने भी अपने प्रदर्शन प्रस्तुत किए, जिनमें रानी दुर्गावती कॉलेज के कैडेट्स द्वारा फील्ड क्राफ्ट और बैटल क्राफ्ट ड्रिल और निर्मला स्कूल के कैडेट्स द्वारा फील्ड सिग्नल्स शामिल थे।

समूह कमांडर ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए सैन्य जीवन और कैरियर के अवसरों के बारे में जानकारी दी और अनुशासन और नेतृत्व के महत्व पर जोर दिया। अंत में समूह कमांडर के प्रस्थान पर एक समूह तस्वीर और औपचारिक विदाई के साथ समारोह का समापन हुआ। कार्यक्रम ब्रेन चाइल्ड एकेडमी के डॉयरेक्टर एएनओ निशांत शुक्ला एवं प्राचार्या डॉ दिव्या शुक्ला के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ एवं संचालन में वरिष्ठ कोऑर्डिनेटर राजुल सिहानी, सोनिया जैन,स्पोर्ट्स टीचर अभिषेक यादव, रवि ठाकुर एवं समस्त शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

दिनदहाड़े विद्यालय से बैग पर्स मोबाइल चोरी

मण्डला। स्थानीय सेमरखापा पीएम श्री विद्यालय के माध्यमिक विभाग में पदस्थ श्रीमती पटेल जब अध्यापन कार्य करा रही थी और उनका लेडिस पर्स स्टाफ रूम में रखा हुआ था। जिसमें पैसे, मोबाइल आदि कागजात भी थे। अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी कर लिए गए हैं। उक्त घटना से विद्यालय परिवार में दहशत का माहौल व्याप्त है। इसके पूर्व भी एक महीने के अंदर दो लेडिस पर्स अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पार किये जा चुके हैं। इससे पता चलता है कि विद्यालय परिसर में संदिग्ध व्यक्तियों का आना-जाना लगा रहता है। उक्त घटना की प्राथमिकी भी की जा चुकी है। जिसमें पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने के आश्वासन दिए हैं।

चुटका परमाणु विद्युत परियोजना संबंधी बैठक संपन्न

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में चुटका परमाणु विद्युत परियोजना के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि संबंधित विभाग समन्वय से कार्य करते हुए परियोजना के कार्यों को गति प्रदान करें। उन्होंने एसडीएम निवास को निर्देशित किया कि आगामी 30 सितम्बर तक शत प्रतिशत सर्वे कार्य पूर्ण कराएं। वन अधिकार पत्र धारकों का सत्यापन एवं अतिरिक्त मुआवजा हेतु अवार्ड की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि आगामी सप्ताह में विशेष ग्रामसभा का आयोजन करें। उन्होंने कहा कि धारा-15 के तहत ग्राम टाटीघाट के अतिरिक्त 70 परिवारों की भूमि का अर्जन किए जाने हेतु जनसुनवाई का आयोजन करें और इसका प्रचार-प्रसार करें ताकि लोगों को इसकी जानकारी हो। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विस्थापित परिवारों को अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु राशि प्रदाय, टाटीघाट के 70 परिवारों का भू-अर्जन अवार्ड, दोहरे विस्थापन, ग्राम कुंडा के तीन परिवारों के पूरक अवार्ड, मकान अलॉटमेंट, मकान के एग्रीमेंट तथा अधिग्रहित भूमि पर कब्जा, वन अधिकार पत्र धारकों के सत्यापन, ग्राम टिकरिया से चुटका तक के कांक्रीट रोड निर्माण, विस्थापित परिवारों को शिप्ट करने, विस्थापित नही होने वाले प्रभावित सर्वे कर दावे आपत्ति का निराकरण, 10 हजार लीटर दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र शीत गृह प्लांट, 330 परिवारों में से प्रत्येक परिवार के एक-एक सदस्य को योग्यतानुसार आउटसोर्स पर रखे जाने, विस्थापित एवं प्रभावित परिवार के सदस्यों को उनकी शैक्षणिक योग्यतानुसार तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने सहित अन्य बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

आरोप | मामला नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास खलौडी का।

छात्रावास वार्डन पर प्रताड़ना और धमकाने के आरोप

*** कर्मचारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास खलौंडी एक बार फिर विवादों में घिर गया है। यहां पदस्थ वार्डन पूजा डोंगरे पर छात्रावास में पदस्थ रसोई और सफाई कर्मियों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। कर्मचारियों ने अनुविभागीय दंडाधिकारी बिछिया को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि वार्डन न केवल उन्हें लगातार प्रताड़ित करती हैं बल्कि सच बोलने पर नौकरी से निकालने और जान से मारने तक की धमकी देती हैं।

कर्मचारियों का आरोप है कि 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ग्रामीणों को कीड़े लगे गुड़ की चाय पिलाई गई थी। इस संबंध में 8 सितम्बर 2025 को डिप्टी कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, एपीसी, बीआरसी, जनशिक्षक और ग्रामीणों की उपस्थिति में जांच की गई। जांच अधिकारियों द्वारा पूछे जाने पर रसोई और सफाई कर्मचारियों ने सच सामने रखा और साफ कहा कि कीड़े वाले गुड़ से बनी चाय वास्तव में वार्डन पूजा डोंगरे के निर्देश पर ही ग्रामीणों को पिलाई गई थी। कर्मचारियों के अनुसार, वार्डन ने पहले ही धमकाया था कि यदि किसी ने इस बारे में सच्चाई बताई तो उसकी नौकरी छीन ली जाएगी, इस डर से वे अब तक चुप थे।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि वार्डन छात्रावास के लिए समय पर राशन, सब्जी, गैस सिलेंडर और साफ-सफाई की सामग्री उपलब्ध नहीं कराती हैं। जब कभी सामान लाती भी हैं तो बेहद कम मात्रा में, और कहती हैं कि पूरे महीने इसी से काम चलाना होगा। कर्मचारियों ने बताया कि छात्रावास 100 सीटर है लेकिन वर्तमान में करीब 60-65 बच्चियां रह रही हैं। इसके बावजूद एक-दो किलो सब्जी से पूरे सप्ताह खाना बनाने का दबाव बनाया जाता है। यहां तक कि कई बार वार्डन कर्मचारियों से कहती है कि वे अपने घर से राशन और सब्जियां लाकर बच्चियों को खिलाएं।

कर्मचारियों ने जांच अधिकारियों के समक्ष यह तथ्य भी उजागर किया कि वार्डन ने उन्हें झूठ बोलने के लिए दबाव बनाया था। लेकिन इस बार उन्होंने सच का साथ दिया और जो वास्तविक स्थिति थी उसे सामने रखा। उनका कहना है कि सच्चाई उजागर करने के बाद वार्डन और उसके भाई ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। आरोप है कि दोनों ने जांच अधिकारियों के जाने के बाद रसोई और सफाई कर्मचारियों को डांटते हुए कहा कि आखिर सच क्यों बताया, जबकि उन्हें साफ निर्देश दिया गया था कि कीड़े वाले गुड़ की जगह साफ गुड़ से बनी चाय की बात करनी है।

रसोई और सफाई कर्मियों ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में वार्डन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि वार्डन के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाए गए तो छात्रावास का माहौल बिगड़ता रहेगा और बच्चियों की पढ़ाई-लिखाई तथा स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ेगा। कर्मचारियों ने यह भी आशंका जताई है कि सच्चाई सामने लाने की वजह से उन्हें नुकसान पहुंचाया जा सकता है, इसलिए प्रशासन उन्हें सुरक्षा भी प्रदान करे।

छात्रावास में पहले भी वार्डन के खिलाफ शिकायतें होती रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि छात्रावास की अव्यवस्था और बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता लंबे समय से सवालों के घेरे में है। अब कर्मचारियों द्वारा सीधे तौर पर धमकाने और प्रताड़ना के आरोप लगाए जाने से मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। प्रशासनिक स्तर पर जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी, लेकिन फिलहाल यह मुद्दा स्थानीय स्तर पर चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

पीएम श्री स्कूल से सटी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण

*** बच्चों की सुरक्षा पर संकट।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत सेमरखापा में संचालित पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल के पास स्थित शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण कार्य तेजी से जारी है। यह भूमि विद्यालय के प्राथमिक विभाग से सटी हुई है, जहाँ प्रतिदिन कक्षा 1 से 10 तक के सैकड़ों छात्र-छात्राएं अध्ययन हेतु आते हैं।

विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि अतिक्रमण के चलते न केवल बच्चों को विद्यालय आने-जाने में असुविधा हो रही है, बल्कि उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरे भी उत्पन्न हो रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, प्राथमिक शाला से लगी शासकीय भूमि पर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा बिना किसी अनुमति के निर्माण कार्य किया जा रहा है। यह स्थिति स्पष्ट रूप से सरकारी नियमों का उल्लंघन है और भविष्य में विद्यालय के संचालन एवं विस्तार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

विद्यालय प्रबंधन ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्राम पंचायत सेमरखापा को पत्र लिखकर अवैध निर्माण कार्य को तत्काल रोकने की मांग की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि यह भूमि पूर्णतः शासकीय है और विद्यालय परिसर से जुड़ी हुई है। इस पर किसी भी प्रकार का निजी निर्माण अवैध एवं असंवैधानिक है। यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा दोनों संकट में पड़ सकती हैं।

विद्यालय प्रशासन ने शासन-प्रशासन से अपेक्षा की है कि संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाए एवं शासकीय भूमि पर हो रहे इस अतिक्रमण को तत्काल प्रभाव से रोका जाए।

इस पूरे मामले में स्थानीय ग्रामीणों ने भी अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रशासन को बच्चों की सुरक्षा और विद्यालय की गरिमा को ध्यान में रखते हुए सख्त रुख अपनाना चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

खबर संक्षेप

गंदगी के बीच हो रही जल सप्लाई से फैल सकती है बीमारियाँ

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिवर्ष करोड़ो रूपया खर्च करते हुए गांव गांव जल सप्लाई व्यवस्था की जा रही है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि पंचायतों की उदासीनता के चलते ग्रामीणों को दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत कुछ गांवों में देखने मिली रही है जहां पर पंचायत की उदासीनता के चलते ग्रामवासियों के घरों में दूषित पानी पहुंचने की संभावना स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है? इस संबंध में बताया जाता है कि पंचयात द्वारा नल जल योजना के तहत ग्राम के लोगों के घरो तक जल पहुंचाने के लिए लगाई गई लाईन के चैम्बरों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि वह गंदगी के बीच होने के कारण जब जल सप्लाई की जाती है तो नाली का गंदा पानी रिस्ते हुए अंदर तक पहुचने में कोई कसर नही छोड़ता है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से खुले पड़े हुये चैम्बर आम लोगो की जान के लिए खतरा बनने से भी नही चूक रहे है? क्योंकि मार्ग के किनारे इस प्रकार से खुले पड़े हुए चैम्बरों में आये दिन लोग गिरने के कारण घायल होते हुए भी देखे जा रहे है, मगर इस ओर पंचायत द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही देने से यह अनुमान लगने लगा है कि कही ऐसा तो नही कि पंचायत द्वारा किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा हो? जिसके चलते लोगों का कहना है कि यदि समय रहते हुए पंचायत द्वारा ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही इस प्रकार से खुले पड़े हुए चैम्बरों के चलते किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है।

ट्रक की टक्कर ने बाइक सावर घायल

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम दहलवाडा निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब मैं अपने गांव के मलखान पता लेखराम कौश्रव के साथ उनकी मोटर साईकिल से ग्राम तिन्सरा गये हुये थें वापिस आते समय ग्राम कामती शनि मंदिर के पास एक ट्रक चालक द्वारा अपने ट्रक को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये सामने से टक्कर मार देने के घायल जससे प्रार्थी सहित मलखान कौरव को चोटे आई तथा बाइक को क्षतित पहुंची। वही मलखान कौरव की स्थिति गंभीर होने के चलते रेफर किया गया था जहां पर जिला चिकित्सालय ले जाते समय मृत्यु होने पर पुलिस द्वारा आरोपी अरक चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

मोटर साईकिलों की आपस में हुई भिंडत

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस पलोटन गंज निवासी विपिन पिता हीरालाल कौरव उम्र 58 साल द्वारा बताया कि मैं बीते हुये दिवस अपने खेत खैरी कामती से अपनी मोटर साईकिल क्रमांक MP49MF7258 वापिस आ रहा था उसी दौरान आमगांव नाका के पास सामने से तेज गति व लापरवाही पूर्वम मोटर साईकिल क्रमांक MP49M5279 के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक अपनी बाइक को चलाते हुये टक्कर मारकर चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

कार की टक्कर से घायल

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम बोदरी निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि जब बीते हुये दिवस वह अपनी मोटर साईकिल MP20W3073 से अपनी 14 वार्षिय बेटी को लेकर जा रहा थ्झा उसी समय बीकानेर स्वीटस के सामने एक काले रंग की XUV 700 वाहन क्रमांक MP13ZS3260 के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये टक्कर मारकर चोट पहुंचाई जिसके चलते पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी वाहन चालक के खलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

कुल्हाडी से मारपीट कर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम महगंवा निवासी राघेश्या पिता कमल ठाकुर उम्र 40 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने आंगन में बैठे हुये थें उसी दौरान गांव का रामजी ठाकुर एवं हेमंत ठाकुर आये ओर मोटर साईकिल की बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगे। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपियों द्वारा कुल्हाडी से मारपीट कर चोटे पहुंचाई। लड़ाई की आवाज सुनकर जब प्राथी के पिता व माँ आई तो आरोपियों द्वारा उनके साथ भी मारपीट किये जाने पर पुलिस द्वारा प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

सच्चाई को लेकर परिवहन विभाग की चुप्पी पर खड़े हो रहे सवाल...?

कोयला लेकर दौड़ रहे ओवर लोडिंग वाहन, अब सड़कों के साथ साथ आम जन की जिन्दगी को पैदा कर रहे खतरा, ट्राली के ऊपर से गिरने वाले कोयल के पत्थरों से घायल हो रहे राहगीर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

जहां एक ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा मंच के माध्यम से घोषणा की जाती है कि मीड़िया द्वारा उजागर की जाने वाली खबरों को जिला स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा गंभीरता से लेते हुये उन पर कार्यवाही की जावे। मगर बडे ही हैरत की बात है कि हमारे जिले में बैठे हुये अधिकारियों द्वारा किस तरह मुख्यमंत्री का आदेश की धज्जिया उड़ाते हुये उनके आदेश को कर किनार करने के साथ नियमों के विरूद्व कार्य करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गाडरवारा गोटीटोरिया तथा गरधा निवारी मार्ग पर आसानी से देखने मिल सकता है..। जहां पर धड़ल्ले से कोयला परिवहन करने वाले डम्फर ओवर लोड़िंग हालत में दौड़ते हुये देखे जाने की सच्चाई को उजागर किये जाने के बाद भी संबंधित विभाग की चुप्पी निश्चित तौर परिवहन विभाग के साथ साथ क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक रही है..? बताया जाता है कि गोटीटोरियों से प्रतिदिन सैकड़ो डम्फर कोलये का परिवहन होते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर समीपस्थ गरधा निवारी के समीपस्थ स्थित विद्युत पावर प्लांट को भी डम्फरों के माध्यम से कोयला पहुंचाया जा रहा है। मगर इन डम्फरों में हो रही ओवर लोड़िक का हाल यह तरह से बना हुआ है कि निर्धारित माप दंडो पर बनी हुई डम्फरों की ट्रालियों को वैसे भी अलग से निर्माण कराते हुये उनकी उच्चाई बढ़ा दी गई है। इसके बाद भी जिस तरह से ऊपर लोड़िग करते हुये ट्राली के ऊपर टिपुआ की तरह भरे जाने के चलते जब यह डम्फर सड़को पर दौड़ते है तो ट्राली से कोयला के पत्थर सड़क पर गिरने से नही चूकते है। इस स्थिति में आम राहगीर व वाहन चालको की जिन्दगी को खतरा बनने से नही चूक रहा है। इस तरह ओवर लोड़िग करते हुये किये जा रहे कोयला परिवहन के चलते क्षेत्र की सड़को को क्षति पहुंचने से नही चूक रही है। इस बात की सच्चाई गाडरवारा से गरधा होते हुये निवारी की ओर जाने वाले मार्ग के रूप में असानी से देखी जा सकती है। जहां पर कुछ साल पहले बनी हुई प्रधान मंत्री सड़क इन ओवर लोडिंग डम्फरों की धमाचौकड़ी के चलते अनेक जगहों पर धसक चुकी है तो अनेक जगहों पर बड़े बड़े गड्डे नजर आने से नही चूक रहे है...? मगर हैरत इस बात है कि इस तरह इस तरह गाडरवारा गोटीटोरिया मार्ग से लेकर गरधा निवासी मार्ग पर दौड़ रहे इन ओवर लोड़िग डम्फरों की सच्चाई को मीडिया द्वारा प्रमुखता के साथ उजागर किये जाने के बाद भी परिवहन विभाग सहित स्थानीय अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जाना इस बात का संकेत देने से नही चूक रहा है कि शायद कोयला के ओवर लोड़िग कारोबार में परिवहन द्वारा अपनी ओर से मूंग स्वीकृति प्रदान की गई है..? इसी का परिणाम है कि जहां यह कोयल परिवहन करने वाले ओवर लोड़िंग डम्फर आमजन की स्थिति को खतरा पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है तो दूसरी ओर ग्रामीणों की सुविधा के लिये बनाई गई सड़को का नामो निशान मिटाने पर उतारू होते हुये नजर आने से नही चूक रहे है..? क्योंकि सरकार द्वारा ग्रामीणो की सुविधा को ध्यान में रखते हुये करोड़ो रूपया खर्च करते हुये पक्की सड़को का निर्माण तो कराया गया है। मगर यहां पर इस तरह दौड़ने वाले ओवर लोडिंग डम्फरों की धमाचौकड़ी के चलते वह सड़के सुरक्षित बच पाने की संभावना समाप्त होने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर सच्चाई उजागर होने के बाद भी अधिकारियों द्वारा इन ओवर लोडिंग डम्फरों की अनदेखी के चलते उनके हौसल बुलंद होते हुये दिखाई दे रहे है। इतना ही नही इन ओवर लोडिंग कोयला परिवहन करने वाले डम्फरों की धमाचौकडी के चलते स्कूली छात्राओं को भी परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि नगर के चीचली की ओर जाने वाले रेल्वे फाटक के पास इन भारी भरकम डम्फरों की लम्बी लाईन के दौरान छात्राओं को निकलने में परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है। सही मायने में देखा जावे तो परिवहन विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र के गोटीटोरियों से गाडरवारा व गरधा से निवारी की ओर जाने वाले मार्ग पर जिस स्थिति में खुलेआम ओवर लोडिंग कोयला के डम्फर दौडते हुये देखे जा रहे है। उनके चलते क्षेत्र की सड़को को क्षति पहुंच रही है तो दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी के लिये भी खतरा बनने से नही चूक रहा है। क्योंकि कोयला परिवहन करने वाले इन भारी भरकम डम्फरों की सच्चाई इस तरह से देखने मिल रही है कि उन में लगी हुई ट्राली को निर्धारित मात्रा से लगभग तीन फिट तक अधिक निर्माण कराने के साथ उससे भी अधिक उचाई में कोयल भरते हुये खुलेआम ओवर लोडिंग करते हुये सड़को पर जिस तरह दौड़ते हुये देखे जा रहे है। वह निश्चित तौर से परिवहन विभाग की मिली भगत की सच्चाई को उजागर करते हुये प्रतीत होने से नही चूक रहे है..? क्योंकि किसी भी वाहन में लगी हुई ट्राली का अतिरिक्त निर्माण कराते हुये उपयोग करना निश्चित तौर से यातायात नियमों के विपरित माना जाता है। मगर इसके बाद भी गोटीटोरिया से निकलकर गाडरवारा होते हुये गरधा मार्ग से निवारी तक पहुंचने वाले इन डम्फरों को अनदेखा किया जाना परिवहन विभाग के साथ पुलिस की भूमिका पर भी सबाल खड़े करने से नही चूक रहे है..?

दूधी नदी में अचानक आई बाढ़, ग्राम तूमड़ा के पास आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण फंसे बीच टापू पर, पुलिस व एनडीआरएफ की टीम द्वारा सुरक्षित निकाला गया

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। इन दिनों मौसम का मिजाज इस तरह देखने मिल रहा है कि जहां एक शहर में तेज धूप दिखाई दे रही है तो दूसरे शहर में घनघोर बारिश की खबरे मिलना आम बात हो चुकी है। इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में नदियों में अचानक बाढ़ जैसे हालत बनते हुये देखे जाते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये समीपस्थ ग्राम तूमड़ा के पास दूधी नदी में उस समय देखने मिली जब अचानक बाढ़ आने से आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण नदी के बीच एक टापू पर फंस गये और चारो ओर पानी ही पानी नजर आने लगा। बताया जाता है कि दूधी नदी छिंदवाडा क्षेत्र के जंगलो से होकर निकली है। अनेको बार देखा जाता है कि हमारे क्षेत्र में बारिश नही होती है मगर दूधी नदी में बाढ़ दिखाई देने लगी है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये बुधवार को भी देखने मिली। ग्राम तूमड़ा के कुछ लोग नदी के बीच लकड़ी या कुछ अन्य प्रकार की सामग्री एकत्र करने के लिये गये हुये थें। उसी दौरान नदी में अचानक बाढ़ आने के चलते नदी के बीच ऊचाई वाले एक टापू पर पहुंच गये। मगर चंद मिनिटों के अंदर वह टापू नदी के बाढ़ के पानी से गिर गया और नदी में जल स्तर में लगातार बढ़ोत्तरी होते हुये दिखाई दे रही थी। अपनी जिन्दगी को खतरें में देखते हुये जब नदी के बीच फंसे हुये ग्रामीणों द्वारा मदद के

लिये चिल्लाना शुरू किया तो नदी के किनारे लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। वही इस घटना की सूचना सांईखेड़ा थाना प्रभारी प्रकाश पाठक को मिली तो वह अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे तथा सच्चाई से अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। वही जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना ने मामले की गंभीरता को ध्यान मे रखते हुये तुरंत मौके पर उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा को पहुंचाने के साथ एनडीआरएफ की भी ग्रामीणों की मदद के लिये पहुंचाई गई। वही जानकारी मिलते ही मौके पर सांईखेड़ा तहसीलदार अुलत श्रीवास्तव भी पहुंच गये थें। इस प्रकार से उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन तथा थाना प्रभारी सांईखेड़ा प्रकाश पाठक के नेतृत्व में बनाई गई इस सुरक्षा टीम में शामिल सउनि सतीश सिंह राजपूत, आरक्षक सुदीप बागरी, तथा एनडीआरएफ से सैनिक हरिकिशन रजक, सैनिक केहर सिंह, सैनिक नरवर सिंह कौरव, सैनिक रामरतन श्रीवास द्वारा स्थानीय नागरिकों से समन्वय स्थापित कर कार्यवाही प्रारंभ की तथा मोटर बोट तथा स्थानीय नाविको की मदद से उक्त टापू पर फंसे हुये ग्रामीणों का सुरक्षित बचाव कर बाहर निकाला गया। दूधी नदी में अचानक आई हुई बाढ़ के बीच सुमन बाई पत्नी कठोरी कुशवाहा, रजन बाई पत्नी मुन्नालाल कुशवाहा, खुम्मा पिता भूरा कुशवाहा, विनोद कुशवाहा पिता देवी सिंह कुशवाहा,विजय पिता रामदीन कुशवाहा मुन्ना पिता छोटेलाल कुशवाहा, आशीष पिता मुन्नालाल कुहावाहा सभी निवासी तुमडा थाना क्षेत्र सांईखेड़ा के निवासी बताये जाते है जिन्हे पूर्ण सुरक्षा के साथ बाढ़ के बीच से निकलने में सफलता प्राप्त की गई है।

सालीचौका क्षेत्र में चल रहे शराब के अवैध कारोबार से बिगड़ रहा सामाजिक माहौल, नशा मुक्ति अभियान हो रहे फेल

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका

समय साक्षी है कि जिस शहर में कभी ढूढे शराब और अन्य मादक पदार्थ नही मिलते थें। वही वर्तमान में धड़ल्लें से शराब बिक रही है। क्षेत्र के गांवों में देखा जावे तो जिस प्रकार से किराना दुकानों पर शराब विक्रय होते हुये देखी जा रही है। यह सच्चाई निश्चित तौर से जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा मादक पदार्थो के खिलाफ छेड़ी गई मुहिम पर सबाल खड़े करने से नही चूक रही है।

वही दूसरी ओर सबाल यह पैदा हो रहा है कि गांव गांव विक्रय होने के लिये यह शराब आ कहा से नही है यह सच्चाई भी शायद किसी से छिपी नही होगी..? मगर इन थोक विक्रय करने वालों पर कार्यवाही न होने का परिणाम है कि इस समय सालीचौका क्षेत्र में किराना दुकानों पर वाली की ठंडी बोतलों की दर्ज पर देशी शराब विकते हुये देखा जाना चर्चा का विषय बनाने से नही चूक रहा है..?इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में शराब सेवन करने वाले नौजवानों की तादाद बढ़ती चली जा रही है। शराब की जनप्रियता का आलम यह है कि मदिरा पीना अब फैशन में तब्दील होने से सुरा प्रेमियों के क्रिया कलापो पर कम ही ध्यान दिया जा रहा है पर दुर्भाग्य से अब यह सच्चाई उजागर होने से रूक नही पा रही है कि गांव गांव शराब का निर्वाध विक्रय से सामाजिक माहौल तो बिगड़ ही रहा है। क्योंकि क्षेत्र में चल रहे शराब के अवैध कारोबार से नशा युवाओं, किशोरों का स्वास्थ्य भी चौपट कर घरों को तबाह करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। क्योंकि शराब के गांव गांव विक्रय होने से अनेक परिवार बर्बादी की कगार पर पहुंचने से नही बच पा रहे है। युवाओं में नशे के कारण समाज की मर्यादाएँ तार तार हो रही है और क्षेत्र में अशोभनीय घटनाएँ घटित हो रही है। गौरतलब है कि नशे के दुष्परिणामों का असर सिर्फ शहर में ही नहीं बल्कि क्षेत्र के गांवो में सरेआम जाम छलका कर अपना समय व्यर्थ गॅवाने लगे है। हालत यह हो गयी है कि शहर, गांवो की रौनक को विनष्ट करने वाले नशे की रोकथाम में नेताओं, प्रशासनिक अधिकारियो सहित समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि नाकाम साबित हो रहे है और पूर्व में चलाये गए नशामुक्ति अभियानों को भी पलीता लगा दिखायी पड़ रहा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि शराब के अवैध कारोबार को लेकर पुलिस कार्यवाही नही कर रही है। पुलिस द्वारा कार्यवाही तो की जा रही है और आये दिन शराब पकड़ी भी जा रही है। मगर जरूरत इस बात की है कि जिस तरह पुलिस द्वारा आरोपियों के पास से शराब पकड़ते हुये अपनी कार्यवाही को उसी व्यक्ति तक सीमित रखने से शराब के अवैध कारोबार पर अंकुश नही लग पा रहा है..? लोगों का कहना है कि यदि पुलिस जिस व्यक्ति के पास से शराब पकड़ती यदि उसी के माध्यम से इस बात का पता लगाने का प्रयास करे कि आखिरकार वह इस तरह अधिक मात्रा में शराब खरीदकर लाया गया से था। इस तरह के कदम उठाने से गांव गांव शराब पहुंचाने वाले कारोबारियों पर अंकुश लगने में दे नही लगेगी और शराब का अवैध कारोबार की गति भी कन्ट्रोल होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? क्योंकि क्षेत्र के गांवों में जिस तरह देशी प्लेन व मसाला शराब विक्रय है वह किसी के द्वारा अपने घरों में निर्माण तो होती नही है। निश्चित तौर से किसी ने किसी के द्वारा थोक में इसका विक्रय किया जा रहा होगा। यदि फुटकर विक्रेताओं के साथ थोक कारोबारियों पर शिकंजा कसा होने लगे तो शराब के अवैध व्यापार पर अंकुश लग सकता है।

नियमों का पाठ पढ़ाने वाले ही तोड़ रहे नियमों की धज्जियां, आम पब्लिक से पालन करने की क्या उम्मीद की जा सकती है

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासन द्वारा हर विभाग में अलग अलग नियम बनाते हुए उनका पालन करना सभी के लिए अनिवार्य किया गया है, इसी प्रकार से रेल विभाग द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करने के लिए आये दिन सख्त हितायत देते हुए नियमो को तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही का भी प्रावधान बनाया गया है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो बगैर किसी ठोस कारण के ट्रेन को रोकने व रेल पटरी पार करने सहित रेल विभाग के अन्य नियम बनाये गये है और यदि कोई इन नियमों का पालन नही करता है तो रेल विभाग द्वारा उसके व्यक्ति विशेष के खिलाफ कार्यवाही करते हुए दंडित भी किया जाता है? मगर अब सबाल यह उठता है कि जब नियमों का पालन कराने के लिए आम लोगों को पाठ पढ़ाने वाले ही उन नियमों की धज्जियां उड़ाने लगे तो फिर आम पब्लिक से क्या उम्मीद की जा सकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते दिवस उस समय देखने मिली जब स्थानीय रेल्वे

स्टेशन पर कुछ वर्दीधारी ही नियमों को दर किनार करते हुये खुलेआम रेल पटरी पार करने से नही चूक रहे थें इस सच्चाई को देखकर लोग यह बात कहने से नही चूक रहे थें कि क्या रेल विभाग द्वारा बनाये गये नियम मात्र आम जनता के लिए ही होते है...? क्योंकि जब हम रेल्वे स्टेशन पर पहुंचते है तो वहां पर लगे हुये स्पीकरों से यह सूचना आये दिन सुनते है कि पैदल रेल पटरी पार करना नियम विरूद्व है और यदि कोई व्यक्ति पैदल रेल पटरी पार करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जावेगी, वही दूसरी ओर जिस प्रकार से विभाग के ही अधिकारियों व बर्दीधारी ही खुलेआम रेल पटरी पैदल पार करते हुए देखा गया तो लोग यह बात कहने से नही चूक रहे थें कि नियम सिर्फ आम जनता के लिये होते है विभाग के अधिकारी व कर्मचारी कुछ भी करते हुये उन्हें सभी प्रकार की छूट प्रदान की जाती है?

विकासखंड स्तरीय मोगली प्रतियोगिता में जनपद शिक्षा केंद्र में हुई कनिष्ठ वर्ग व वरिष्ठ वर्ग के आयोजन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। बुधवार को चीचली ब्लॉक के जनपद शिक्षा केन्द्र में कनिष्ठ वर्ग की मोगली बाल उत्सव की विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में सभी आठ जन शिक्षा केंद्र के कनिष्ठ वर्ग के अंतर्गत कक्षा 5 से 8 वीं तक के जन शिक्षा केंद्र स्तर के चयनित विद्यार्थियों सम्मिलित हुए। इस प्रतियोगिता संपादन हेतु अरुण दुबे को प्रभारी, सत्यम ताम्रकार, बुलंद कुशवाहा, संजय सोनी, दिनेश चौरसिया, दिनेश ठाकुर के द्वारा को सहायक कार्य का निर्वहन किया गया । इसी प्रकार से कनिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिता में बालक वर्ग में वेदांत कुमार लोधी ने प्रथम स्थान तथा बालिका वर्ग में पुष्पा गोलन्दाज़, माध्यमिक शाला पचामा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जिला स्तर आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता हेतु अपना स्थान सुनिश्चित किया। बीएसी अरुण दुबे, एमआईएस दीपक श्रीवास्तव, लेखराम गौतम, खुशबू ब्रिजपुरिया, ज्योति पगारे, रुपाली कुरडे द्वारा चयनित एवं सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुये आने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया। वही वरिष्ठ वर्ग की मोगली प्रतियोगिता शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में संपादित हुई। जिसमें हाई एवं हायर सेकेंडरी के चयनित विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विकासखंड स्तर पर चयनित कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग के चयनित छात्र छात्राएं अब 13 सितंबर को जिला स्तर पर आयोजित मोगली बाल महोत्सव प्रतियोगिता में सहभागिता करेंगे।

लगातार नदी में समाते हुये कम होती जा रही है किसानों की उपजाऊ भूमि से घट रहा है रकवा..

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। इस समय देखा जावे तो जहां क्षेत्र के किसान प्रकृति की मार से लगातार जूझते हुये अपनी जिन्दगी की गाडी को खीचते चले जा रहे है। मगर चीचली क्षेत्र के अनेक गांवों के किसानों की जमीन सीतारेवा नदी के किनारे होने के कारण जहां नदी में बाढ़ आने की स्थिति में उनकी फसल असुरक्षित हो रही है तो दूसरी ओर लगातार उनकी जमीन नदी में समाहित होने से

गायब होती चली जा रही है। यदि बीते हुये पांच वर्षो की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस नदी के किनारे लगे हुये अनेक किसानों की कई एकड़ जमीन पानी के बहाव में समाते हुये गायब हो चुकी है। मगर आज तक शासन प्रशासन में बैठे हुये जिम्मेदारों द्वारा इस किसानों की राहत पहुंचाने की ओर कोई कदम नही उठाया गया है। इस तरह हर वर्ष किसानों के रकवे में लग रही सेंध को लेकर क्षेत्र के किसानों का कहना है कि नदी में बाढ का पानी आते ही उनकी जमीन की मिट्टी नदी के पानी में बह जाने के कारण खेत रेत में तब्दील हो चुका होता है। यदि राजस्व विभाग इस सच्चाई का पता लगाने के लिये खुद के माध्यम से नदी किनारे खेती करने वाले इन किसानों की जमीन की नाप कराते हुये रकवे की जांच कराये तो सैकड़ो एकड़ जमीन मौके से गायब मिलेगी मात्र कागजों में ही किसानों का रकवा दिखाई दे रहा है? मगर इसके बाद चौकाने वाली सच्चाई तो उस समय देखने मिलती है कि इन किसानों के नाम पर दर्ज भूमि नदी में समाहित होने के बाद यदि यह किसान उसी जमीन से रेत उठाने का प्रयास करते है तो प्रशासन द्वारा उनके खिलाफ कार्यवाही करने में कोई कसर नही छोड़ता है। इस तरह खुलेआम प्रशासन व प्रकृति मिलकर इन किसानों की जमीन का बगैर किसी आर्थिक मदद के अधिग्रहण करते हुये चला जा रहा है। इस तरह सीतारेवा नदी में समाहित हो रही किसानों की भूमि को लेकर क्षेत्र के किसानों द्वारा शासन प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाते हुये यह आवाज उठाई जा रही है कि जिन किसानों की जमीन नदी में तब्दील हुई है उस जगह से रेत विक्रय करने का उन्ही किसानों को अधिकार मिलना चाहिये।

खबर संक्षेप

अमित बिलागर ने 8वीं बार रक्तदान कर पेश की मानवता की मिसाल

डिंडौरी न्यूज़। बुधवार को समाजसेवी अमित बिलागर ने जिला अस्पताल में एक गर्भवती महिला को खून की कमी होने की जानकारी मिलते ही तुरंत पहुँचकर आठवीं बार रक्तदान किया। उनके इस कदम से न केवल महिला की जान बची बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणादायी संदेश भी दिया। अमित बिलागर ने कहा कि "रक्तदान सबसे बड़ा सेवा कार्य है। यह न केवल दूसरों के जीवन को बचाता है बल्कि दाता स्वयं भी शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है।" उन्होंने आमजन से अपील की कि अधिक से अधिक लोग आगे आकर रक्तदान करें और समाज में जागरूकता फैलाएँ। अस्पताल प्रबंधन व परिजनों ने उनके इस मानवीय कार्य की सराहना की और धन्यवाद ज्ञापित किया।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन की डिंडौरी जिला कार्यकारिणी घोषित

डिंडौरी न्यूज़। डॉ. भीमराव आंबेडकर और मान्यवर कांशीराम साहब की विचारधारा को समाज के अंतिम पायदान तक पहुँचाने के उद्देश्य से भीम आर्मी भारत एकता मिशन की डिंडौरी जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया है। संगठन के प्रदेश नेतृत्व के निर्देश और जिला अध्यक्ष नवीन गवले द्वारा संगठन को मजबूत करने जिला कार्यकारणी गठित कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिला कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष एड. फजल चन्देल को, जिला सचिव दुर्गेश नागेश को,जिला वरिष्ठ महासचिव राकेश बघेल, जिला कोषाध्यक्ष रविन्द्र वरवे, जिला वरिष्ठ संगठन मंत्री कपिल नागेश,जिला मीडिया प्रभारी सफर सिद्दीकी, जिला प्रवक्ता ऊनील गवले, जिला संगठन मंत्री अख्तर खान, जिला वरिष्ठ महासचिव एड. जयप्रकाश कोरव,जिला संगठन मंत्री आनन्द गवले को नियुक्त किया गया है।इस दौरान जिला अध्यक्ष नवीन गवले ने कहा कि संगठन का लक्ष्य समाज में समानता, भाईचारे और न्याय की अलख जगाना है। उन्होंने कहा कि नवगठित कार्यकारिणी जिले में सामाजिक न्याय, शिक्षा, और जागरूकता के लिए सक्रियता से कार्य करेगी। भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने जिले में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने का भी संकल्प लिया है, जिससे संगठन की नीतियां और विचारधारा आमजन तक पहुँच सके।

झिरिया का पानी पीने मजबूर बैगा आदिवासी परिवार

75 घरों के सामने पेयजल का संकट

जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया के सेंदुरखार और खराईलटोला में आज भी शुद्ध पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा नदारद है। बैगा आदिवासी बहुल इन दोनों गांवों के करीब 75 परिवारों को बरसों से जंगल के बीच बनी झिरिया से पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है।

डिंडौरी न्यूज़।

सेंदुरखार में 40-50 परिवारों की आबादी लगभग 250 के करीब है, वहीं खराईलटोला में 30-35 परिवार रहते हैं जिनकी संख्या 200 के आसपास है। आश्चर्य की बात है कि यहां न तो एक भी हेंडपंप है और न ही नल-जल योजना लागू की गई है।

झिरिया का पानी बेसरम की झाड़ियों और गाजर घास से घिरा हुआ है। बरसात में यही पानी बीमारियों की वजह बन जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि अशुद्ध पानी पीने से गांव में उल्टी-दस्त और बुखार जैसी बीमारियां फैल रही हैं। स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी से यहां झोलाछाप डॉक्टरों की चांदी हो गई है और गरीब आदिवासी परिवार अपनी मेहनत की कमाई इलाज में खर्च करने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन विकास की बड़ी-बड़ी बातें करता है, लेकिन हकीकत यह है कि आजादी के सात दशक बाद भी बैगा आदिवासी परिवार शुद्ध पेयजल से वंचित हैं।

इनका कहना,,,

बीस साल से भाजपा की सरकार है और बैगा आदिवासी परिवारों को पानी तक नहीं मिल पाया, यह शासन के वादों की पोल खोल रहा है।

लोकेश पटेरिया, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि

हम रोज इसी झिरिया का पानी पीते हैं, जिससे बीमार भी हो जाते हैं, पर गांव में एक भी हेंडपंप नहीं है।

किसानिन बाई, ग्रामीण

प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

डिंडौरी न्यूज़।

जिले के डीपीसी एवं प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी रावेन्द्र मिश्रा एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। आरोप है कि उन्होंने शहपुरा स्थित मॉडल स्कूल के प्राचार्य को फोन पर बातचीत के दौरान अपमानजनक टिप्पणी की। वायरल आडियो में डीपीसी व प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी रावेन्द्र मिश्रा द्वारा प्राचार्य वेदप्रकाश साहू को यह कहा जा रहा है कि दो कौड़ी के वरिष्ठ अध्यापक कल तुम शहपुरा में रहना मैं तुम्हें वहीं आकर देखता हूं। इस घटना की चर्चा पूरे शिक्षा विभाग में हो रही है और शिक्षकों में नाराज़गी देखने को मिल रही है।

सूत्रों के अनुसार, प्राचार्य से फोन पर हुई बातचीत का ऑडियो क्लिप भी सामने आया है, जिसमें मिश्रा द्वारा प्रयोग की गई भाषा पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि जिले का शीर्ष शिक्षा अधिकारी यदि अधीनस्थों से इस तरह का व्यवहार करेगा तो इसका असर शिक्षा व्यवस्था और कार्यसंस्कृति पर पड़ेगा।

इस प्रकरण को लेकर शिक्षक संगठनों ने भी नाराज़गी व्यक्त की है और कहा है कि यदि मामले की उच्चस्तरीय जांच नहीं कराई गई तो वे आंदोलन का रास्ता अपना सकते हैं। वहीं स्थानीय स्तर पर यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

शिक्षकों ने मांग की है कि कलेक्टर एवं संभागीय आयुक्त इस मामले को गंभीरता से लें और अधिकारियों को अधीनस्थ कर्मचारियों से शालीन व्यवहार करने के निर्देश दें। फिलहाल इस पूरे विवाद पर जिला शिक्षा अधिकारी रावेन्द्र मिश्रा का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आ सका है।

शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

डिण्डौरी डाइट प्राचार्य एवं प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी रावेंद्र कुमार मिश्रा द्वारा शासकीय मॉडल स्कूल शहपुरा के प्रभारी प्राचार्य वेदप्रकाश साहू को "दो कौड़ी के वरिष्ठ अध्यापक" एवं "साले" जैसे अपमानजनक शब्द कहे जाने का मामला गरमा गया है। इस टिप्पणी से आक्रोशित संस्था के सभी शिक्षकों ने सोमवार को कक्षाओं में काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया।

शिक्षकों का कहना है कि उच्च पदस्थ अधिकारी द्वारा इस तरह की भाषा का प्रयोग न केवल अनुचित है बल्कि शिक्षक समाज की गरिमा को भी ठेस पहुँचाता है। शिक्षकों ने संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

एसडीएम की नई पहल : अब पटवारी करेंगे सरकारी स्कूलों व आंगनबाड़ियों का आकस्मिक निरीक्षण

डिंडौरी न्यूज़।

बजाग अनुविभागीय अधिकारी **SDM** राजस्व रामबाबू देवांगन के निर्देशन व पहल के बाद अब हल्का पटवारी अपने-अपने क्षेत्र के सरकारी स्कूलों, छात्रावासों और आंगनबाड़ी केंद्रों में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन तथा संस्था में तय मापदंड अनुसार व्यवस्थाओं की जांच करने मैदानी क्षेत्रों में जाकर आकस्मिक निरीक्षण कर रहें हैं।इसका स्पष्ट उद्देश्य हैं कि उपरोक्त संस्थाओं में अधिक से अधिक सुधार होकर नियमानुसार केंद्र, स्कूल और छात्रावास का संचालन हो वहीं इसके लिए निरीक्षण उपरांत की वस्तु स्थिति के आधार पर ऐसे लापरवाह कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

मेढ़ाखार निरीक्षण : बच्चों की प्रतिभा, भोजन में गड़बड़ी

इसी क्रम में हल्का पटवारी मेढ़ाखार ने किसान टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। केंद्र में नामांकित 22 बच्चों में से 14 उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को गिनती सिखा रही थीं। बच्चों ने रंग, आकृतियों की पहचान और कविताएं सुनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई। लेकिन मध्यान भोजन व्यवस्था में गड़बड़ी सामने आई। इंद्रा स्व सहायता समूह द्वारा भोजन तो दिया जा रहा था, परंतु यह निर्धारित मेनू के अनुसार नहीं था। समूह की अध्यक्ष अगरवती मरावी ने बताया कि अप्रैल से राशन व वेतन भुगतान नहीं होने के कारण दिक्कतें आ रही हैं। वहीं, केंद्र किराए के भवन में संचालित होने से भी व्यवस्थाओं पर असर पड़ रहा है।

चौराटोला खन्नात : हाजिरी कम, मेनू गायब

इसी तरह चौराटोला खन्नात के आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण हुआ। यहाँ नामांकित 31 बच्चों में से केवल 10 उपस्थित थे। बच्चों को गिनती, हिंदी वर्णमाला और अंग्रेजी अल्फाबेट का अच्छा ज्ञान था। लेकिन यहाँ भी भोजन मेनू के अनुरूप नहीं पाया गया।

जवाबदेही और सुधार की दिशा में कदम

हल्का पटवारी ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट एसडीएम बजाग को सौंप दी है। इस पहल को बच्चों की शिक्षा व पोषण गुणवत्ता सुधारने और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

एसडीएम रामबाबू देवांगन का बयान

सरकारी स्कूलों, छात्रावासों और आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की शिक्षा और पोषण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से हल्का पटवारियों को आकस्मिक निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है ताकि व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति सामने आए। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और समूहों के खिलाफ नोटिस जारी की जाएगी।

जहाँ भी भोजन मेनू के अनुसार नहीं दिया जा रहा है या सुविधाओं में कमी है, वहाँ तुरंत सुधार कराया जाएगा। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पौष्टिक भोजन मिले यही इस पहल का मूल उद्देश्य हैं। गौरतलब हैं कि एसडीएम के इस पहल का निश्चित ही सकारात्मक असर देखने मिलेगा क्योंकि विभाग के जवाबदारों को तो कभी फुर्सत नहीं मिलती हैं कि जमीन पर उतरकर व्यवस्थाओं का जायजा लें यद्यपि यह काम अब राजस्व के अधिकारी कर्मचारी कर रहे हैं।

शिकायत वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी!

आर.आई. ने सीमांकन के बदले मांगी रिश्वत

डिंडौरी न्यूज़।

शहपुरा क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम संग्रामपुर निवासी शेख लाल तेकाम ने अनुविभागीय अधिकारी शहपुरा को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि राजस्व निरीक्षक बलीराम साहू और उसके साथियों द्वारा उन्हें शिकायत वापस लेने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है तथा जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

शेख लाल तेकाम ने बताया कि उन्होंने 22 जुलाई 2025 को कलेक्टर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई थी कि सीमांकन कार्य के बदले आर.आई. बलीराम साहू ने 10 हजार रुपये रिश्वत ली थी और अब भी उनसे 20 हजार रुपये की अवैध मांग की जा रही है।

आरोप है कि जब उन्होंने इस अवैध मांग को पूरा करने से इंकार किया तो बलीराम साहू, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा में पदस्थ डॉक्टर राजीव साहू तथा अन्य साथियों ने मिलकर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया और धमकी दी।

शिकायतकर्ता ने यह भी कहा कि 23 जुलाई की रात करीब 9 से 10 बजे के बीच बलीराम साहू अपने साथियों के साथ बरखेड़ा आश्रम पहुँचे और वहां शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाते हुए जान से मारने की कोशिश की। जबकि बलीराम साहू का तबादला बजाग तहसील में हो चुका है। शेख लाल तेकाम ने प्रशासन से दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई और अपने व परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जेल और कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम

डिंडौरी न्यूज़।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर मंगलवार को दिव्य ज्योति सोशल डेवलपमेंट सेंटर द्वारा संचालित शिवनिल नशा मुक्ति केंद्र तथा आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट की एम पावर (मानसिक स्वास्थ्य) पहल के तहत जिला जेल और अमरपुर महाविद्यालय में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में विशेषज्ञों ने आत्महत्या जैसी गंभीर समस्या, मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा की।

कैदियों को मिला संदेश आत्महत्या नहीं, सुधार है विकल्प

जिला जेल परिसर में बड़ी संख्या में कैदियों की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में वक्ता देवराज कछवाहा ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में आत्महत्या का विचार आना असामान्य नहीं है, लेकिन यह कभी विकल्प नहीं हो सकता। हर समस्या का समाधान संभव है।

रितु सेन ने कहा कि आत्महत्या क्षणिक भावनाओं में लिया गया निर्णय है, जिसका दर्द पूरे परिवार को जीवनभर झेलना पड़ता है।

जेलर लव सिंह कटार ने कैदियों को समझाया कि गुस्से या निराशा में उठाया गया गलत कदम जीवन को अंधकार में धकेल देता है, जबकि सुधार और सकारात्मक सोच से नई दिशा मिल सकती है।

बच्चूनाथ चौहान ने नशे और आत्महत्या के बीच संबंध बताते हुए शिवनिल नशा मुक्ति केंद्र की काउंसलिंग व उपचार सेवाओं की जानकारी दी।

अजय ठाकुर ने कहा कि आत्महत्या किसी समस्या का हल नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देकर, नशे से दूर रहकर और सरकार की मनकक्ष पहल व हेल्पलाइन सेवाओं का लाभ लेकर जीवन की चुनौतियों से पार पाया जा सकता है। इस अवसर पर जेल प्रशासन, प्रहरी, नशा मुक्ति केंद्र का स्टाफ और कैदी उपस्थित रहे।

छात्रों को मिला संदेश असफलता अंत नहीं

अमरपुर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अशोक वर्मा (मनोरोग विशेषज्ञ) ने कहा कि परीक्षा परिणाम या करियर में असफलता आत्महत्या का कारण नहीं होना चाहिए। असफलता सुधार का अवसर है, जिसे अपनाकर आगे बढ़ा जा सकता है।

रितु सेन और बच्चूनाथ चौहान ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि गलतियाँ और असफलताएँ जीवन का हिस्सा हैं, इन्हीं से सीखकर आगे बढ़ना ही असली सफलता है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चल रहे उमंग अभियान से जुड़े संदेश भी साझा किए गए और युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉक्टरों की टीम, नशा मुक्ति केंद्र का स्टाफ शिवा पॉल, राकेश पटेल एवं संदीप बिंझिया सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ मौजूद रहे।

ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं से वंचित, बरसात में दलदल रास्ता बना परेशानी का कारण

डिंडौरी न्यूज़।

विकासखंड करंजिया की ग्राम पंचायत मानिकपुर के अंतर्गत आने वाला पोषक ग्राम पलकी टोला वर्षों से शासन-प्रशासन की उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। यहां के ग्रामीण आज भी पक्की सड़क जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित हैं और खासतौर पर बरसात के मौसम में उनका जीवन किसी नरक से कम नहीं लगता।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकारें बदलीं, नेता और अधिकारी बदले, लेकिन उनकी ज़िंदगी को जोड़ने वाला सड़क मार्ग आज भी वैसा ही है जैसा सालों पहले था। हालात यह हैं कि पलकी टोला से बंजर टोला तक करीब दो किलोमीटर का रास्ता जगह-जगह गड्ढों और कीचड़ से भरा हुआ है, जिससे चलना तक मुश्किल हो गया है।

कीचड़ और दलदल में तब्दील हुआ मार्ग

स्थानीय निवासी ऊदल सिंह मरावी ने बताया कि यह कच्चा रास्ता अब गहरे गड्ढों और कीचड़ से भर गया है। बारिश के दिनों में सड़क पूरी तरह दलदल में तब्दील हो जाती है, जिससे न केवल दुपहिया वाहन चलाना मुश्किल होता है, बल्कि पैदल चलना भी जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। शाम ढलते ही लोग घरों में कैद हो जाते हैं क्योंकि अंधेरे, कीड़े-मकोड़ों और दलदली रास्ते से गुजरने का डर हर किसी को सताता है।

टूटी पुलिया बनी बड़ी बाधा

पलकी टोला जाने वाले मार्ग पर बनी एकमात्र पुलिया भी टूट चुकी है। इस कारण ग्रामीणों को और भी अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रैक्टर जैसे भारी वाहन भी अब उस रास्ते से नहीं निकल पा रहे हैं। ग्रामीण राम सिंह, भोला, लिखारी, बिहारी, राजकुमार यादव, मनोहर सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि अब यह मार्ग पूर्णतः जर्जर हो चुका है और किसी भी प्रकार के आवागमन के लायक नहीं रहा।

पंचायत व जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर उठे सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार पंचायत स्तर से लेकर जनपद और जिले के जनप्रतिनिधियों तक गुहार लगाई गई, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला। ग्रामसभा की हर बैठक में यह मुद्दा उठाया जाता है, फिर भी किसी के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। स्थानीय लोगों में पंचायत और जिम्मेदारों के प्रति भारी नाराजगी है।

कब सुधरेगी किस्मत?

ग्रामवासी वर्षों से सड़क जैसी बुनियादी जरूरत के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हो पाया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर यही हाल रहा तो एक दिन वे मजबूर होकर आंदोलन करेंगे या गांव छोड़ने पर विवश हो जाएंगे। सम्पर्क करने पर भी नहीं मिली ठोस प्रतिक्रिया। अब देखने वाली बात यह है कि स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदार जनप्रतिनिधि कब इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हैं और कब पलकी टोला की तस्वीर बदलेगी।

समय पर नहीं मिल पाता उपचार

ग्रामीण बसंत मरावी, रेवा सिंह और पंचवती परस्ते ने बताया कि बरसात के दौरान किसी के बीमार पड़ने पर उसे अस्पताल तक पहुंचाना किसी चुनौती से कम नहीं होता। खासकर गंभीर रोगी और प्रसव पीड़ित महिलाओं को मुख्य मार्ग तक ले जाने में ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सड़क कीचड़ भरी और फिसलन वाली होने के कारण वाहन चालक गांव में प्रवेश तक नहीं करते। इस कारण समय पर उपचार नहीं मिल पाता और स्थिति गंभीर हो जाती है।

दम तोड़ते जल जीवन मिशन नल जल योजना

डिंडौरी न्यूज़ । शासन की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन जिस योजनांतर्गत हर घर को घर में ही शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना हैं। परंतु जिले के विभागीय जिम्मेदारों ने पूरे मिशन को लापरवाही में झोंक दिया हैं। जोकि वर्तमान में दिखावा बनकर रह गया हैं। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत अभी तक एक भी गांव की योजना पूर्ण नहीं हो सका हैं। गांव में एक मोहल्ले में पानी पहुंचने पर पूरे गांव को पानी प्रदाय मान लिया जाता हैं। जैसे ग्राम पंचायत मुख्यालय ग्राम खजरी जहां उच्च स्तरीय पानी टंकी का निर्माण एक वर्ष पूर्व किया जा चुका था। अभी इसी सप्ताह में जब टंकी में पानी भरा गया तब देखने में आया कि निर्मित टंकी के चारों ओर से पानी का रिसाव हो रहा हैं। जिस संबंध में विभाग के सहायक यंत्री का कहना हैं कि प्लास्टर कर ठीक कर दिया जाएगा। जो कार्य प्रारंभ से ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा हो उसका भविष्य क्या होगा ? विभाग द्वारा मिशन अंतर्गत टंकी का निर्माण पहल कर दिया जाता हैं। फिर उसे भरने के लिए नलकूप खनन किया जाता हैं। जोकि ऐसा महसूस होता हैं कि योजना ठेकेदार एवं विभागीय अधिकारियों के लिए ही बनाया गया हैं। जनहित से इन्हें कोई सरोकार ही नहा ह। जस ब्लाक म बोधघुण्डी नल जल योजना विगत एक पंचवर्षीय योजना से अपूर्ण हैं। इसके साथ ही रामगढ़ में पानी टंकी निर्माण हुए तीन-चार साल बीत गए परंतु अभी तक पानी नहीं भरा गया हैं। जोकि सालों से शोपीस बना हुआ हैं। इस प्रकार ब्लॉक में अनेकों गांव हैं, जहां योजना पर योजना अपूर्ण हैं।

इनका कहना हैं कि:-

एक वर्ष पूर्व पानी के टंकी का निर्माण हुआ हैं, अभी तीन-चार दिन पहले जब पानी भरे तो पता चला टंकी के चारों तरफ से पानी लीक हो रहा हैं।

ग्रीस सिंह सैयाम ग्रामीण

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

8

जबलपुर, गुरुवार 11 सितंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

अतिथि शिक्षकों की ई-अटेण्डेण्स न्यायसंगत नहीं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। इस वर्ष शासकीय विद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के बीच ई-अटेण्डेण्स को लेकर काफी जद्दोजहद देखी जा रही है।एक ओर जहाँ हमारे शिक्षकश ऐप पर लगायी जा रही उपस्थिति को ही वेतन निर्धारण का माध्यम बताया जा रहा है वहीं सम्बंधित ऐप की तकनीकी समस्या उपस्थिति लगाने में बाधा उत्पन्न कर रही है। कई बार उपस्थिति दर्ज करने हेतु लागइन होते-होते लागइन का निर्धारित समय बीत जाता है और अतिथि शिक्षक उपस्थिति दर्ज करने से वंचित रह जाते हैं,स्क्रीन पर बेव पेज नाट अवेलेबल का संदेश उभरता है। ऐसी स्थिति में अतिथि शिक्षकों का कहना है कि उनकी ई-अटेण्डेण्स की पूर्णतः न्यायसंगत नहीं है। इसे दृष्टिगत रखते हुए अतिथि शिक्षक संघर्ष समिति जिला नरसिंहपुर से जुड़े अतिथि शिक्षकों ने माँग की है कि ई-अटेण्डेण्स की अनिवार्यता को समाप्त किया जाना चाहिए।

विशेष पेंशन शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला पेंशन कार्यालय में विशेष पेंशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला पेंशन अधिकारी ने जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों से कहा है कि वे इस शिविर में अपने विभाग के लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण करा सकते हैं।

20 सीसीटीव्ही कैमरे,10 सोलर लाईट व एक हाई मास्क लाईट लगाए जाने के प्रस्ताव अनुमोदित

जिला चिकित्सालय के मेन गेट में गेट वैरियर एवं काउकैचर लगाए जायेंगे

रोगी कल्याण समिति की बैठक में सर्वसहमति से पारित हुए कई प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता और विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल की मौजूदगी में जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की रोगी कल्याण समिति की बैठक बुधवार को आयोजित की गई। बैठक में सर्वसहमति से विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में अध्यक्ष नगर पालिका नरसिंहपुर नीरज दुबे, सीईओ जिला पंचायत , मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी , सिविल सर्जन समिति के अन्य सदस्य, लोक निर्माण विभाग, पीआईयू और अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।

बैठक में जिला चिकित्सालय परिसर में रोशनी के लिए 10 नग सोलर लाईट व एक नग हाई मास्क लाईट लगाए जाने के प्रस्ताव अनुमोदित किए गए। सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए सामने वाली

बाउंड्रीवाल एवं भवन के पीछे कटीले तारों की फेसिंग लगाए जाने, मेन गेट में गेट वैरियर एवं काउकैचर लगाए जाने के प्रस्ताव अनुमोदित किए गए। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में अनुमानित 3 लाख 90 हजार रुपये के लगभग 20 नग नए सीसीटीव्ही कैमरे, अनुमानित 68 हजार रुपये की राशि से एक नग एनव्हीआर सिस्टम क्रय करने की अनुमति के लिए प्रस्ताव अनुमोदित किया गया।बैठक में मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए शुद्ध पेयजल के लिए ड्रिंकिंग वाटर एरियाफिल्टर यूनिट सहित बनाए जाने, दंत चिकित्सा इकाई एवं अन्य विभाग में सिफ्ट करने के लिए एवं आवश्यकतानुसार रेनोवेशन कार्य कराए जाने की अनुमति के लिए प्रस्ताव अनुमोदित किए गए। एम्बुलेंस वाहनों के सुचारू रूप से संचालन के लिए रोगी कल्याण समिति मद से आउटसोर्स के माध्यम से एक वाहन चालक रखने, वर्ष 2022- 23 में जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर को एनक्यूएएस राष्ट्रीय प्रमाणीकरण प्राप्त होने के उपरांत भारत सरकार द्वारा इंसेटिव की राशि 25 लाख 26 हजार 315 रुपये प्राप्त हुई है, उक्त राशि में से 25 प्रतिशत राशि का इंसेटिव का भुगतान पदस्थ अधिकारी- कर्मचारियों को प्रदाय किया गया, उक्त प्रदाय की गई राशि और एनसीडी कार्नर के लिए एक नग ऑटोमेटिक आर्म-इनबी.पी. ऑपरेटर्स क्रय किए जाने का अनुमोदित किया गया। इसके अलावा औषधीय भंडार कक्ष में सेंट्रल एसी सिस्टम लगाए जाने के लिए एस्टीमेट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

शासन द्वारा निर्धारित दर पर ही कृषकों को उर्वरक विक्रय करें, अन्यथा कठोर कार्यवाही होगी

5 उर्वरक विक्रेताओं के लायसेंस निलंबित एवं 9 के लायसेंस निरस्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि नरसिंहपुर जिला कृषि प्रधान जिला है। जिले में खरीफ वर्ष 2025 में 2.32 लाख हेक्टर में धान, सोयाबीन, उड़द, अरहर, मक्का, ज्वार आदि फसलों की बोनी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जो शतप्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में खरीफ फसलें जैसे मक्का, सोयाबीन, उड़द लगभग पककर तैयार है। अधिकांश वर्षा के कारण कुछ क्षेत्रों में खेत खाली हैं, जिसमें रबी बोनी कार्य के लिए खेत तैयार किए जा रहे हैं। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले को लगातार उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है। वर्तमान में जिले में 42 हजार 482 मी. टन यूरिया का भंडारण कर 39 हजार 744 मी. टन यूरिया का वितरण किया जा चुका है, जो गत वर्ष इसी अवधि की तुलना में इस वर्ष अधिक है। इसी प्रकार जिले में 15 हजार 574 मी. टन डीएपी का भंडारण कर 12 हजार 472 मी. टन डीएपी का वितरण किया जा चुका है। काम्पलेक्स 5 हजार 314 मी. टन डीएपी का भंडारण कर 4 हजार 987 मी. टन का वितरण किया जा चुका है और एसएसपी 34 हजार 3 मी. टन का भंडारण कर 24 हजार 610 मीट टन डीएपी का वितरण किया जा चुका है। जिले के किसान राज्य शासन द्वारा निर्धारित 266.50 रुपये यूरिया एवं 1350 रुपये डीएपी पर ही उर्वरक का क्रय करें। जिले से रबी वर्ष 2025- 26 के लिए 71 हजार मी. टन यूरिया की मांग शासन से की गई है। जिले में लगातार उर्वरकों की रैक प्राप्त हो रही है। जिले में डबल लॉक केन्द्र से सभी सहकारी समितियों को यूरिया की आपूर्ति की जा रही है, जो किसान समिति के सदस्य है, उर्वरक वे अपनी- अपनी समितियों से उर्वरक क्रय करें तथा शेष किसान जिले के डबल लॉक केन्द्रों, विपणन सहकारी समिति एमपी एग्रो एवं निजी विक्रेताओं के यहां से उर्वरक क्रय कर सकते हैं।

संस्कृति महोत्सव में किया सराहनीय प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरस्वती शिक्षा परिषद की कार्य योजनानुसार विगत दिवस जबलपुर गंगानगर में आयोजित विभाग स्तरीय संस्कृति महोत्सव में सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक नरसिंहपुर शिशु वर्ग से व्यक्तिगत गीत प्रेरणा मेहरा तृतीय एकल भजन में पायल चैधरी प्रथम कथा-कथन में जन्नत बी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बाल वर्ग में चित्रकला सुरभि कुशवाहा एकल भजन तान्या छीपा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शास्त्रीय गायन में हर्षिता श्रीवास्तव मूर्तिकला में सागर नौरिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। किशोर वर्ग शास्त्रीय गायन में हिमांशु श्रीवास्तव ने प्रथम तथा तबला वादन में तरूण श्रीवास्तव ने द्वितीय स्थान तरूण वर्ग चित्रकला में आदर्श कश्यप एकल भजन में कुसम सेन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रार्थना सभा में सभी प्रतिभागियों ने संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी प्रभारी प्रधानाचार्य राजेन्द्र पटैल वरिष्ठ आचार्य नरेन्द्र सिंह राजपूत से प्रशस्ति पत्र प्राप्त किये। विद्यालय प्रबंधन संस्था प्राचार्य प्रधानाचार्य एंव आचार्य परिवार ने शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुये उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रत्येक बालक को अनिवार्य रूप से शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ा जाए

मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती मेघा पवार पहुंची नरसिंहपुर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती मेघा पवार 7 सितम्बर को एक दिवसीय जिले के प्रवास पर पहुंची। उन्होंने सर्किट हाउस नरसिंहपुर में बैठक लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास , जिला बाल संरक्षण इकाई सहित अध्यक्ष बाल कल्याण समिति के सदस्य, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य और सभी शासकीय अशासकीय संस्थाओं के अधीक्षक व संचालक मौजूद थे। आयोग की सदस्य श्रीमती पवार ने जिले के समस्त संस्थाओं में निवासरत बालकों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इस दौरान बालकों की शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, पुनर्वास एवं संस्था में संचालित गतिविधियों, कार्यरत स्टाफ और सुरक्षा पर चर्चा की। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक बालक को अनिवार्य रूप से शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ा जाए और आयु अनुसार उपयोगी प्रशिक्षण दिया जाए। बाल कल्याण समिति में प्रचलित प्रकरणों एवं उनके समयानुसार निराकरण पर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि बाल कल्याण समिति से संबंधित विभागों के साथ समन्वय बैठक आयोजित कराई जावे, जिससे बच्चों के हित में तत्काल कार्यवाही हो सके। किशोर न्याय बोर्ड में लंबित प्रकरण एवं सम्प्रेक्षण गृह में निवासरत बालकों की काउंसलिंग पर चर्चा की। उन्होंने विधि विवादित बच्चों को नियमित काउंसलिंग किए जाने के निर्देश दिए। पॉस्को विक्टिम को सर्पोट पर्सन एवं विधिक सहायता प्रदान किए जाने के निर्देश दिए। आयोग की सदस्य श्रीमती पवार ने प्रवास के दौरान बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों के साथ जिले में संचालित बाल देखरेख संस्था सृजन वात्सल्य शिशु गृह का निरीक्षण किया। संस्था की भौतिक अवसंरचना, कार्यरत स्टॉफ, सुरक्षा, बच्चों के मनोरंजन, शिक्षा, वैक्सीनेशन, चिकित्सा जांच, भोजन आदि व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

ढिलवार में चोरी दो दिन से वाशिंग पाउडर बेचकर कर रहा था रेकी

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आदिवासी ग्राम ढिलवार में चोरी की घटना घटित हुई है जिसमें सोने चांदी के जेवरात और दो लाख रुपए से अधिक नगदी लेकर तीन लोग फरार बताये जा रहें हैं जबकि इनमें एक चोर को गांव वालों की मदद से मौके पर ही पकड़ लिया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ढिलवार के प्रतिष्ठित शाह परिवार राजविला निवास पर सोमवार मंगलवार की दरमियानी रात में चार लोगों ने चोरी की मंशा से धावा बोल दिया चोरी के लिए बाखर में घुसते ही पुराने बड़े दरवाजों को बंद कर लिया था।भीतर बाखर में वरुण शाह अपने परिवार के और छोटे भाई ऊपर वाले हिस्से में सो रहे थे।जब आवाज मिली तो वरुण शाह को आवाज लगाई गई लेकिन प्रतिउत्तर ना मिलने की स्थिति में फोन लगाया वह भी नहीं उठा तो उठकर देखा और जोर से आबाज लगाई तो परिवार के अन्य लोग भी उठकर आ गये इसी बीच दो लोग दीवाल फांदकर भाग निकले इसी बीच दो लोग जो अंदर थे वह भीतर से भागने की कोशिश करते हुए परिवार के ही अजय शाह के ऊपर लंबा पेंचकस नुमा हथियार से हमला कर दिया उन्हें चोट लगी चीख की आवाज सुनते ही और भी लोग पहुंच पाते की तीसरा चोर भागने में सफल हो लेकिन चौथा चोर जो कि बड़े दरबाजे में धक्का देकर भाग ही रहा था कि दरबाजा खुलकर उसके सिर में जा लगा और वह वहीं गिर गया मौके पर पहुंचे लोगों ने उसे दबोच लिया। तत्काल 112 सेवा को काल किया लेकिन वह त्वरित मौके पर नहीं पहुंच पाई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि वर्तमान में जो चोर पुलिस गिरिफ्त में है वह गांव में दो दिन पहले से ही वाशिंग पाउडर बेच रहा था और झांका झूंकी कर रहा था।साथ ही दो फोरवीलर और पांच छः मोटरकिलें ढिलवार में खड़ी हुई थी। अक्सर कर उक्त बाहन कुर्सी तसला चटाई टंकी वेड शीट बेंचने वाले बड़े वाहनों से आते हैं।इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त है।

बीकोर की महिलाओं ने शासकीय कंपोजिट शराब दुकान में लगाई आग

तेंदूखेड़ा। विगत दिनों तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बीकोर में एक शासकीय कंपोजिट शराब दुकान में बड़ी संख्या में पहुंचीं गांव की ही महिलाओं ने आग लगा दी। जिसमें लगभग 610 पेटी अंग्रेजी देशी शराब 85 हजार रुपए नगद तथा फ्रिज सीसीटीवी कैमरे एवं इन्वेंटर जलकर राख हो गये हैं।शाम को लगभग पांच बजे के बाद शराब दुकान में आग लगने की जानकारी लगने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाई वहीं शराब दुकान के गद्दीदार ने अपने अन्य साथियों के साथ तेंदूखेड़ा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है जिसकी पुलिस सूक्ष्मता से जांच करते हुए विवेचना में जुटी है।

मां मेकलसुता ग्रुप द्वारा शंकराचार्यजी का भव्य स्वागत

गोटेगांव। विगत दिवस झांसीघाट पर आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से विशेष रहा। मां मेकलसुता ग्रुप द्वारा अनंत श्री विभूषित, ज्योतिषपीठाधीश्वर, जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का नगर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। गुरुदेव चातुर्मास महाव्रत पूर्ण कर नगर पहुंचे, जहां उनके आगमन पर श्रद्धालुओं और नगरवासियों में गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला। झांसीघाट पहुंचकर गुरुदेव ने मां नर्मदा जी का पूजन-अर्चन किया, मां को चुनरी अर्पित की तथा समस्त समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इस दौरान घाट पर वातावरण "हर-हर नर्मदे" और "गुरुदेव की जय" के जयघोष से गूंज उठा। मां मेकलसुता ग्रुप के सभी सदस्य इस अवसर पर उपस्थित रहे। सभी ने गुरुदेव से स्नेहपूर्वक भेंट की और उनका आशीर्वचन प्राप्त किया। गुरुदेव ने भी सदस्यों को धर्म, संस्कृति और सेवा की भावना के साथ समाज में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवनदायिनी शक्ति हैं और उनके संरक्षण तथा पूजन का महत्व अनंत है। इस अवसर पर नगर के अनेक श्रद्धालु, भक्तगण और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पहुंचे लोगों ने इसे एक ऐतिहासिक और सौभाग्यशाली अवसर बताया। सभी ने यह अनुभव किया कि गुरुदेव के आगमन से पूरा नगर आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता से भर गया है। मां मेकलसुता ग्रुप के अध्यक्ष ने आशुतोष दुबे कहा कि यह उनके लिए गौरव का क्षण है कि जगतगुरु शंकराचार्य जी महाराज स्वयं झांसीघाट पधारे और मां नर्मदा की पूजा-अर्चना कर नगरवासियों को धर्म व संस्कृति के प्रति प्रेरणा प्रदान की। ग्रुप के सभी सदस्यों की उपस्थित रही जिसमें आकाश उमरे तरुण दुबे तारीख खान अर्पित गोटिया हिमांशु राठौर विवेक जैन अशोक प्रजापति अभिषेक पटेल रूपम विश्वकर्मा भाइयों वैष्णव आकाश पटेल रवि पटेल बृजेंद्र पटेल सौरभ दुबे आदर्श सेन सिद्धांत शुक्ला राहुल मिश्रा अर्जुन श्रीपाल सुभाष प्रजापति कैलाश रजक कालिदास दुबे तथा सभी सदस्य उपस्थित रहे।

222 गांवों में 10 ग्राम सेवक, एक के पास 30 गांवों के प्रभार

तेंदूखेड़ा। एक तरफ जहां शासन द्वारा किसानों की समस्यायों के निराकरण की दिशा में काफी संवेदनशील बनीं हुई है। वहीं तरह तरह की योजनाओं के माध्यम से किसानी को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में प्रयास जारी है। लेकिन दूसरी तरफ चांवरपाठा विकास खंड के यह हालात बनें हुए हैं कि संपूर्ण विकास खंड के अंतर्गत आने वाले 222 गांवों के लिए जहां 18 ग्राम सेवकों की जरुरत है वहां मात्र 10 ही ग्राम सेवक है।

इनमें से कुछ ग्राम सेवक रिटायर हो गये हैं।तो कुछ स्थानांतरण हो कर चले गए हैं। इनमें एक वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी और एक बाबू ही तैनात है। जबकि कार्यालय में भृत्य तक नहीं है। स्तिथि यह बनीं हुई है कि स्वयं बाबू को आकर झाड़ू लगाना पड़ता है। कुछ समय बाद वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी की भी शासकीय सेवायें पूर्ण होने वाली है। उनके बाद एक अधिकारी और कम हो जायेगा।ऐसी स्थिति में ग्राम सेवक प्रत्येक गांव में नहीं पहुंच पाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों ने मांग की है कि शीघ्र ही उनके गांवों में ग्राम सेवकों की व्यवस्था की जाये।

तेंदूखेड़ा में नहीं है कृषि विभाग का कार्यालय

सबसे बड़ी विडम्बना यहां पर यह बनीं हुई है कि तहसील मुख्यालय पर कृषि विभाग का एक भी कार्यालय नहीं है। विकल्प के तौर पर यहां पर डेढ़ दशक पूर्व बना मिट्टी परीक्षण केंद्र के खाली पड़े भवन में ही किसान साप्ताहिक बाजार के दिन आकर स्थानीय कृषि अधिकारियों से मिलकर जानकारी लेकर चले जाते हैं।

सेवा पखवाडे हेतु भाजपा की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में आगामी 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाडे हेतु जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नही पाठक की अध्यक्षता व पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, विधायक महेन्द्र नागेश की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम को जिला उपाध्यक्ष हरिप्रताप ममार व डॉ.अजय सोनी ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, मोर्चा प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्ष व महामंत्री सहित जिला व मंडल टोली के सदस्य उपस्थित रहे।

निशुल्क जांच शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर धमना में स्पॉट लेप्रोसी सर्वेक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आसपास के ग्रामों से बुलाए गए सस्पेक्टिव कुष्ठ पीड़ितों के लिए निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण अंचल से आशा कार्यकर्ता के द्वारा कैंप में भेजे गए संदेह वाले लेप्रोसी केसेस की निशुल्क जांच एवं उपचार स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सस्पेक्टिव मरीज की जांच दौरान चार कुष्ठ हितग्राही पॉजिटिव पाए गए उनका स्पॉट पर ही पंजीयन कर एम डी टी उपचार संपर्क को कैप्सूल रिफाम्पिशन एस डी आर प्रदान की गई। कैंप के सफल आयोजन में डॉ राजकिशोर पटेल डी एल ओ,जिला कुष्ठ शाखा से मानसिंह पटेल श्रीमती रीना शर्मा, एन एम एस एच ओ डॉ नवनीता सलूजा का विशेष सहयोग रहा।

साक्षरता दिवस पर साक्षरता की शपथ दिलाई गई

गोटेगांव। समीपवर्ती बरहेटा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर संकुल केंद्र बरहटा में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार बक्शी के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर संकुल क्षेत्र के समस्त सामाजिक चेतना केंद्रों में एक साथ साक्षरता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में साक्षरता के महत्व को जन-जन तक पहुँचाना और साक्षर भारत के निर्माण में जनभागीदारी सुनिश्चित करना रहा। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शिक्षकों, शिक्षार्थियों, स्वयंसेवकों एवं ग्रामीण नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं साक्षरता के प्रचार-प्रसार में योगदान देंगे तथा दूसरों को भी साक्षर बनने के लिए प्रेरित करेंगे।कार्यक्रम में जनशिक्षक दीपक दुबे तथा संकुल सह समन्वयक साक्षरता कोमल गोस्वामी का सहयोग प्राप्त हुआ।

पिंड दान कर अपने पूर्वजों का लिया आशीर्वाद

गोटेगांव- पितृपक्ष की शुरुआत हो चुकी है और इन दिनों गया में पिंडदान का महत्व बढ़ जाता है. बिहार के गया का संबंध रामायण और महाभारत काल से जुड़ा हुआ है i गया में पिंडदान करने से आत्मा जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाती हैi और पूर्वजों की आत्मा को मुक्ति मिलती है। यहां पर लोग देश-विदेश दुनिया भर से पिंडदान के लिए लोग पहुंचते हैंi इसी क्रम में गोटेगांव करकबेल बौछार करेली लिंगा पिपारिया धुवघट सनखेड़ा एवं भोपाल निवासी छोटेलाल साहू परमसुख श्रीमती मोती बाई मधुबन साहू राजेश नाथ सुशील योगी धनीराम श्रीमती धना बाई पत्रकार आशीष साहू ने पिंडदान हेतु गयाजी के लिए नरसिंहपुर से 9 लोग रवाना हुए सभी ने सर्वप्रथम तीर्थो का राजा प्रयागराज पहुंचकर टेढ़ी नीम वाले पांडा के सानिध्य में मां गंगाजी को प्रणाम कर बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी बनारस पहुंचे जहां सभी लोगों ने मणिकर्णिका घाट में बनारस वालों के मुल्लन मिश्रा के आचार्यत्व में सभी ने मिलकर हिंदू

संस्कृति के अनुसार अपने पूर्वजों को याद कर पूर्ण विधि विधान मंत्रोउच्चारण के साथ पिंडदान किया! उसके पश्चात गयाजी पहुंचकर सभी लोगों ने हाथ जोड़कर सच्चे मन से भगवान से प्रार्थना कर अपने पूर्वजों का पिंडदान श्राद्ध कर अपने पितरों को प्रणाम करने के पश्चात उनसे आशीर्वाद लेकर उन्हें स्वर्ग लोक के लिए विदा किया